Girl's High School and College, Prayagraj

Worksheet No. 2

Session - 2020-21

Class - 4 (A-F)

Subject - H.A.S

Topic - पाठ - 6 गुरू नानक देव

निर्देश - कृपया अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि सर्वप्रथम छात्राएँ पाठ से दिए गए गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तत्पश्चात मौखिक व लिखित कार्य करें।

① गुरू नानक देव बचपन से ही ईश्वरवादी थे। वे सदैव भगवत् विचारों में खोए रहते थे। इनको पढ़ाने के लिए हिंदी, संस्कृत, फारसी आदि के अध्यापक नियुक्त किए गए, परंतु ये सभी नानक देव से प्रभावित होकर उल्टे इनके शिष्य बन गए। इनका मन कभी पढ़ने-लिखने में नहीं लगता था। यह हमेशा परोपकार करने की सोचा करते थे। छोटी सी आयु में ही यह महात्माओं तथा ज्ञानियों की संगत में रहे।

(2.) गुरू नानक देव ने कई प्रकार से सामाजिक बुराइयों को मिटाने के प्रयत्न किए। वह हमेशा अपने शिष्यों को हिंदू - समाज की रक्षा करने के लिए कहते थे। वह हमेशा अत्याचारों का मुकाबला पूरे विश्वास के साथ किया करते थे। वे सिख - संप्रदाय के पहले गुरू थे। इनके बाद सिखों के नौ गुरू और भी हुए। जिनमें से अर्जुन देव, गुरू राम देव, गुरू तेगबहादुर, गुरू गोविंद सिंह इत्यादि प्रमुख थे। गुरू - ग्रंथ में व्यक्ति के कल्याण के विषय में लिखा गया है। इन्हीं ग्रंथों को अपनाकर व्यक्ति अपना जीवन सफल बना सकता है।

अभ्यास कार्य

1. सुलेख - प्रथम गद्यांश को सुंदर अक्षरों में लिखिए।
2. आदर्श पाठ - उपरोक्त दोनों गद्यांशों को सही उच्चारण के साथ पढ़िए।
3. निम्नलिखित कठिन शब्दों को पढ़कर दो बार लिखिए -

प्रवर्तक
नियुक्त
व्यापार
परंपरा
संप्रदाय
अत्याचारों

END

Scanned with CamScanner